

June : 2026

HINDI

Paper: HIN-C-201

(हिन्दी साहित्य का इतिहास :रीतिकाल)

Time: 2½ Hours

Total Mark: 60

(The figures in the right margin indicate full marks of the questions)

1. निम्नलखत प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्य में दीजिए: 1×6=6

- (क) कस कव को भक्तिकाल और रीतिकाल के सन्धि बिन्दु पर खड़ा माना गया हैं?
- (ख) सूरदास की कस रचना में नायिका-भेद और संयोग- वयोग का वर्णन मलता हैं?
- (ग) रीतिसद्ध कवयों की श्रेणी को सबसे पहले कसने मान्यता दी?
- (घ) 'रीति' शब्द की उत्पत्ति कस भाषा से हुई हैं?
- (ङ) रीतिकाल को श्रृंगारकाल कसने कहा हैं?
- (च) बिहारीलाल ने कसनरेश के दरबार में राजकव का पद ग्रहण क्या? क्या?

2. निम्नलखत में से कन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 4×3=12

- (क) रीतिकाव्य की रचना का उद्देश्य क्या था?
- (ख) रीतिकाल को कुल कत्तनी काव्य धाराओं में बाँटा गया हैं? सबके नामोल्लेख कीजिए।
- (ग) प्रशस्ति या वीर काव्य की प्रमुख वशेषता क्या हैं?
- (घ) 'देव' को आप कव मानते हैं या आचार्य, लखए।

(ड) 'कवप्रया' पर एक टिप्पणी लखए।

(च) रीतिकाल की काव्यगत विशेषताओं पर संक्षेप में प्रकाश डालए।

3. कच्ची तीन प्रश्नों के सवस्तार उत्तर दीजिए: $4 \times 3 = 12$

(क) भक्तिकाल के कवयों ने श्रृंगारिक काव्यधारा को कैसे अपनाया?

(ख) रीतिकाल का भक्तिकाव्य कसकी परम्परा से प्रभावित हैं?

(ग) बिहारी का परिचय देते हुए उनकी काव्यगत भाषा पर प्रकाश डालए।

(घ) देव अथवा भूषण की काव्यगत विशेषताओं पर प्रकाश डालए।

(ड) रीतिकालीन साहित्य में नीहित रीति निरूपण प्रवृत्ति पर संक्षेप में लखए।

4. टिप्पणी लखए (कच्ची दो का) $5 \times 2 = 10$

'रसकप्रया', घनानंद, केशवदास, भूषण, बिहारीलाल

5. निम्नलखत में से कच्ची दो प्रश्नों के उत्तर वस्तारपूर्वक दीजिए:

$10 \times 2 = 20$

(क) रीतिकालीन परिस्थितियों के बारे में वस्तारपूर्वक लखए।

(ख) रीतिबद्ध और रीतिसद्ध काव्य के विशेषताओं के बारे में सवस्तार लखए।

(ग) केशवदास की 'कवप्रया' और 'रसकप्रया' पर प्रकाश डालए।

(घ) घनानंद अथवा बिहारीलाल की काव्यगत विशेषताओं को वस्तारपूर्वक लखए।
